A–309

Total Pages : 2 **Roll No. .....**

MAHL–611

उत्तराखण्ड का लोक साहित्य (भाग दो)

एम. ए. हिन्दी (MAHL)

4th Semester Examination, 2024 (June)

Time : 2:00 Hrs. Max. Marks : 70

नोट : – यह प्रश्न-पत्र सत्तर (70) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

खण्ड–क

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न) 2×19=38

नोट : – खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. गढ़वाली लोक साहित्य के इतिहास की विस्तृत विवेचना कीजिए।
2. गढ़वाली लोक गीतों की प्रमुख विशेषताओं पर विस्तृत निबंध लिखिए।

3. लोक गाथा से क्या आशय है ? लोक गाथा और लोक कथा में अंतर स्पष्ट कीजिए।

4. गढ़वाली लोक कथाओं का वर्गीकरण करते हुए उनकी प्रमुख प्रवृतियों का विश्लेषण कीजिए।

5. गढ़वाली लोक साहित्य के वर्तमान स्वरूप पर विस्तृत निबंध लिखिए।

खण्ड–ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न) 4×8=32

नोट : – खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. गढ़वाली लोक गीतों का संक्षिप्त परिचय लिखिए।

2. चांचड़ी लोक गीतों की प्रमुख विशेषताएँ लिखिए।

3. गढ़वाली लोकगाथाओं की प्रमुख विशेषताएँ लिखिए।

4. गढ़वाली लोक साहित्य की भाषा पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

5. चैती ऋतु गीतों का परिचय दीजिये।

6. पावड़ा लोक गाथा की गायन पद्धति की संक्षिप्त विवेचना कीजिए।

7. गढ़वाली लोक कथा 'गंगू रमौला' का सार लिखिए।

8. वर्तमान में गढ़वाली लोक साहित्य के सम्मुख आ रही समस्याओं का संक्षिप्त विवेचन कीजिये।

****